Total Pages : 3 Roll No. .....

BASL-301

काव्य, दर्शन एवं व्याकरण

कला में स्नातक (बीए- 12/16/17)

तृतीय वर्ष, सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. शिवराज विजय का परिचय देते हुए उसके रस वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए।

2. श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित कर्मयोग को परिभाषित कीजिए।

3. तर्कसंग्रह में वर्णित उपमान विचार को परिभाषित कीजिए।

4. "मोडनुस्वारः" "नश्चापदान्तस्य झलि" सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

5. भूधातू के लृट् लोट्लकारों में रूप लिखिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. तर्कसंग्रह के अनुसार पृथिवीलक्षण प्रतिपादित कीजिए।

2. गम् धातु के लङ् लकार के सभी रूप लिखिए।

3. या निशासर्वभूतानांतस्यां- इस श्लोक को पूरित करते हुए व्याख्या कीजिए।

4. श्रीमद्भगवद्गीतानुसार 'समत्वं योग उच्यते' पर प्रकाश डालिए।

5. "यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा" सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

6. "विष्णोर्माया भगवतीयया सम्मोहितम् जगत्" इस सूक्ति को शिवराज विजय के सन्दर्भ में परिभाषित कीजिए।

7. तर्क संग्रह के अनुसार जल के लक्षण को परिभाषित कीजिए।

8. "अतो रोरप्लुतादप्लुते" सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।